(Hindi version)

मेलियोइडोसिस की रोकथाम

मेलियोइडोसिस एक जीवाणु के कारण होने वाली बीमारी है, जो मिट्टी और गंदे पानी में फैली हुई है।

संक्रमण की जगह के आधार पर, सामान्य लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, स्थानीय दर्द या सूजन, अल्सरेशन, सीने में दर्द, खांसी, हेमोप्टाइसिस और क्षेत्रीय लिम्फ नोड्स की सूजन शामिल हैं।

मनुष्य दूषित मिट्टी और सतही जल के संपर्क में आने से संक्रमित हो सकता है (विशेषकर त्वचा के घर्षण/घावों के माध्यम से); दूषित धूल / पानी की बूंदों का साँस लेना; और दूषित पानी का सेवन। व्यक्ति-से-व्यक्ति संचरण दुर्लभ है, लेकिन संक्रमित व्यक्ति के रक्त या शरीर के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से हो सकता है।

मधुमेह, फेफड़े की बीमारी, जिगर की बीमारी, गुर्दे की बीमारी, कैंसर या इम्यूनोसप्रेशन सहित अंतर्निहित बीमारियों वाले व्यक्तियों में इस बीमारी के होने का खतरा अधिक होता है। कृषि, प्रयोगशाला और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता भी व्यावसायिक जोखिम की चपेट में हैं।

निवारक उपाय:

- ✓ दूषित मिट्टी के संपर्क से बचें।
- ✓ मिट्टी या पानी के संभावित संपर्क के साथ गतिविधियों में भाग लेते समय उपयुक्त सुरक्षात्मक कपड़े या जूते पहनें, जैसे दस्ताने का उपयोग करें और जूते पहनें।
- ✓ दूषित पानी या मिट्टी के संपर्क में आने के बाद धोएं या स्नान करें।
- ✓ हमेशा किसी भी घाव को जितनी जल्दी हो सके साफ करें और किसी भी कट या खरोंच को वाटरप्रूफ ड्रेसिंग से ढक दें।
- ✓ मिट्टी या बागबानी करने के बाद साबुन और पानी से हाथ धोएं।
- ✓ भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखें और कच्चा पानी पीने से बचें।
- ✓ बाहरी पानी के खेल के माध्यम से याली इस बीमारी का अनुबंध कर सकते हैं। दूषित होने वाले जल स्रोतों (जैसे नदियों, तालाबों या झीलों) के संपर्क में आने से बचकर संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सकता है।

संस्करण दिनांक: 1 नवंबर 2022